हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

■ संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 1 अंक: 50 पृष्ठ: 8 शुक्रवार 21 अप्रैल से 27 अप्रैल 2022

कोरोना के एमआरएनए वैक्सीन का भंडारण शुरू

.35 लाख डोज को पहले मिल चुकी है मंजूरी

पुणे. भारत ने पुणे की जेनोवा बायोफार्मास्युटिकल्स के बनाए गए कोविड -19 के खिलाफ अपने पहले एमआरएनए वैक्सीन का स्टॉक करना शुरू कर दिया है. इसके लिए मार्च में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) को भारत के पहले स्वदेशी रूप से विकसित एमआरएनए कोविड वैक्सीन की मंजूरी के लिए अंतरिम डेटा प्रस्तुत किया था. अभी भी समीक्षा प्रक्रिया चल रही है और नियामक एजेंसी ने कुछ और जानकारी मांगी है. इस बीच, हिमाचल प्रदेश के कसौली में केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला (सीडीएल) द्वारा टीके की 1.35 लाख खुराक को पहले ही मंजूरी दे दी गई है. स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत सीडीएल, कसौली, भारत में प्रशासित टीकों की सुरक्षा और प्रभावकारिता के दावों की जांच के लिए जिम्मेदार है. शीर्ष प्रयोगशाला द्वारा मंजूरी मिलने तक कोई भी वैक्सीन बाजार में नहीं उतारा जा सकता है. एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने ठी६२18 को बताया कि एमआरएनए वैक्सीन, अब प्रयोगशाला में नियमित होने की उम्मीद है. सीडीएससीओ से अनुमति मिलने के बाद, इसे सीडीएल द्वारा जांचे गए और अनुमोदित स्टॉकपाइल से तुरंत बाजार में उतारा जा सकता है. अधिकारी ने बताया कि यदि भारत एक अलग बूस्टर खुराक के लिए जाने का फैसला करता है, तो स्टॉक को उसी के लिए डायवर्ट किया जा सकता है. एमआरएनए एक प्लग एंड प्ले तकनीक है, जिसे स्ट्रेन के खिलाफ तेजी से बदला जा सकता है और मौजूदा स्थिति में, हमें इस तरह के कुछ की जरूरत है.इस बीच, दवा निमार्ता एमक्योर फार्मास्युटिकल्स की सहायक कंपनी जेनोवा बायोफार्मास्युटिकल्स ने पहले ही अपने एमआरएनए प्लेटफॉर्म को बदल दिया है, जो ओमिक्रॉन को लक्षित करेगा. ओमिक्रॉन, वह वेरिएंट है, जिसके कारण कोरोना की तीसरी लहर आई थी. कथित तौर पर कई देशों में कोविड के मामलों में ताजा उछाल के पीछे भी ओमिक्रॉन को ही जिम्मेदार माना जा रहा है. पुनः डिजाइन किए गए टीके का परीक्षण जल्द ही शुरू होने की संभावना है. कंपनी अपने टीके को उन लोगों के लिए बूस्टर शॉट के रूप में उपयोग करने की योजना बना रही है, जिन्हें प्राथमिक कोविड -19 वैक्सीन के दो टीके लग चुके हैं.

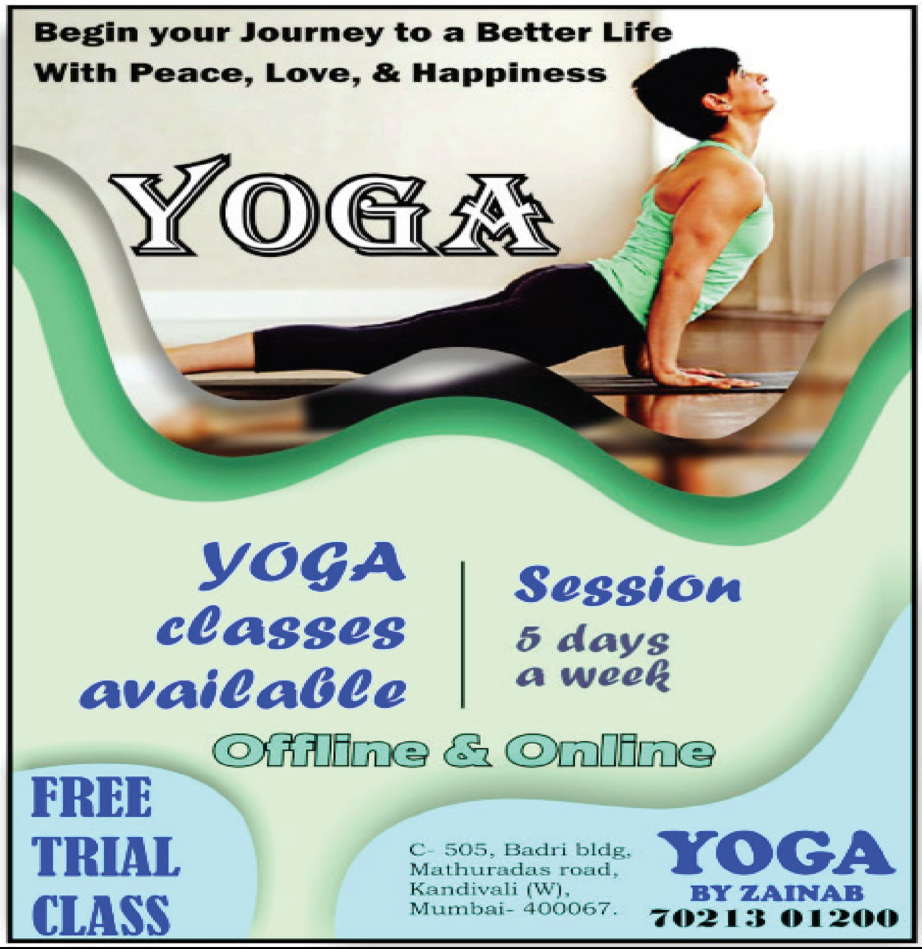

मंत्री धनंजय मुंडे से पांच करोड़ रुपये रंगदारी मांगने वाली महिला गिरफ्तार

दुष्कर्म के आरोप में फंसाने की दी थी धमकी

मुंबईः महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय मंत्री धनंजय मुंडे पर दुष्कर्म का आरोप लगाने की धमकी देकर कथित तौर पर पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित रेणु शर्मा (40) करुणा शर्मा की बहन है, जिसने पिछले साल दावा किया था कि वह राकांपा नेता की दूसरी पत्नी है। एक अधिकारी ने बताया कि मुंडे की शिकायत पर रेणु शर्मा के खिलाफ मालाबार हिल थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने मामले को अपने हाथ में लेते हुए बुधवार को मध्य प्रदेश के इंदौर से रेणु को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कहा कि उसे इंदौर की एक अदालत में पेश किया गया और ट्रांजिट रिमांड पर मुंबई लाया गया। अधिकारी ने बताया कि रेणु शर्मा ने कथित तौर पर मुंडे से पांच करोड़ रुपये नकद और पांच करोड़ रुपये मूल्य की एक दुकान, मोबाइल फोन और अन्य महंगे उपहार मुंडे से दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराकर बदनाम करने की धमकी देकर मांगी थी। अधिकारी ने कहा कि मुंडे ने शुरू में उसे एक व्यक्ति के माध्यम से तीन लाख रुपये और 1.42 लाख रुपये मूल्य का एक मोबाइल फोन दिया, लेकिन जब उसकी मांगें नहीं मानी गईं तो उसने पुलिस से संपर्क किया, अधिकारी ने कहा कि जांच जारी है।

पालघर के तारापुर औद्योगिक क्षेत्र में केमिकल फैक्ट्री में

भीषण आग, एक व्यक्ति की मौत

पालघर। महाराष्ट्र के पालघरके तारापुर औद्योगिक क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक केमिकल फैक्ट्री में आग लग गई। ताजा मिली जानकारी के अनुसार इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। आग की सूचना मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंच गए थे आग बुझाने का कार्य जारी है। फोटो से आग की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। पूरे आसमान में काला धुआं फैल गया है। अभी तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।आसमान में काले धुएं का गुबार फैलता ही जा रहा है जिससे लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। घटनास्थल पर दमकल के कई वाहन, घायलों के लिए एंबुलेंस और लोगों की मदद के लिए पुलिसकर्मी मौजूद हैं। हालांकि आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। लेकिन अंदाजा लगाया जा रहा है कि ये आग ज्वलनशील केमिकल की वजह से फैली होगी।

Know Your Past, Present & FUTURE - with "My Miracles of Numerology"

Sandhiya Mehhta

Sandhiya Mehhta is a world renowned Numerologist, Vastu expert, Spiritual Healer with activated third eye. Her knowledge, wisdom and insight has helped innumerable people.

Titled as "Indian Nostradamus" and winner of many awards worldwide, she says "MY CLIENT'S REWARDS ARE MY ONLY AWARDS"

Sandhiya Mehhta is the only successful numerologist that predicts your future and helps you mould your present with scientific remedies that are unique and developed over 25 years of research.

"No stones, signature changes and blind faith can uplift you and eliminate problems, but my system of remedy has shown tremendous results for people from every walk of life be it academics, sports, celebrities or politics"

"I will consult, inform, empower and guide you to a better present and future"

Famous for Exclusive research for the trio- 4, 7, 8 - "People born on this are such intelligent & hardworking individuals but need little help to realise their full destiny which I do through my remedies and research. It's a beautiful cocoon to butterfly journey".

Book your consultation NOW

+919819921673, +919769071673

www.yellowsoul.in / Email: contact.yellowsoul@gmail.com

Sandhiya.mehhta @sandhiyamehta

All credit cards are accepted

देवेंद्र फडणवीस बोले, हिंदुत्व के वाहक की तरह काम कर रही है भाजपा

मुंबईः महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि हिंदुत्व भारत के डीएनए का एक गूढ़ हिस्सा है। भाजपा इसी हिंदुत्व के वाहक के तौर पर काम कर रही है। फडणवीस ने यह बात मंगलवार को पुणे में एक पुस्तक के लोकार्पण समारोह में कही। लेखक शांतनु गुप्ता द्वारा अंग्रेजी में लिखी मूल पुस्तक ह्यबीजेपीः पास्ट, प्रेजेंट एंड फ्यूचरह्न की मराठी में मल्हार पांडे द्वारा अनूदित पुस्तक ह्यबीजेपीः काल, आज आणि उदयाह्न का लोकार्पण करते हुए फडणवीस ने कहा कि सभी भारतीयों का डीएनए एक है, और सभी भारतीय एक ही पिता की संतान हैं। हिंदुत्व एक ऐसा विचार है, जो किसी पूजा पद्धति या कर्मकांड पर आधारित नहीं है। हिंदुत्व का विचार भौगोलिक रूप से भारत से जुड़ा है, और भाजपा इसी हिंदुत्व के वाहक के तौर पर काम कर रही है। फडणवीस के अनुसार बंगाल के ब्राह्मणों से लेकर दक्षिण भारत के नायर व उत्तर भारत के लोगों तक के डीएनए एक ही हैं, वे एक पिता की संतान हैं। इसलिए आर्य और द्रविण का विचार अब प्रासंगिक नहीं रह गया है। भाजपा नेता ने सवाल किया कि मुगलों ने राम मंदिर पर आक्रमण क्यों किया? श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर आक्रमण क्यों हुआ? काशी का विश्वनाथ मंदिर क्यों तोड़ा गया? सिर्फ इसलिए वे दिखाना चाहते थे कि उनकी संस्कृति हमारे से महान है। यही काम अंग्रेजों द्वारा भी किया गया। वही यह विचार लेकर आए कि आर्य भारत के बाहर से आए थे। फडणवीस ने इसी कड़ी में बिना नाम लिए शिवसेना पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ पार्टियां हिंदुत्व की भगवा शाल ओढ़ती हैं।

हमें ऐसा करने की जरूरत नहीं है। क्योंकि हिंदुत्व हमारे खून में है। हम हिंदुत्व की विचारधारा के ही उत्पाद हैं। भाजपा सैकड़ों वर्षों तक रह सकती है, लेकिन हिंदुत्व की विचारधारा उससे भी आगे जाने वाली है। यह ऐसी विचारधारा है, जो तब तक रहेगी, जब तक आखिरी आदमी रहेगा।

संजय राउत और एकनाथ खडसे को असमाजिक तत्व बता किए गए थे फोन टैप, हुआ खुलासा

मुंबईः मुंबई पुलिस ने बुधवार को कहा कि शिवसेना नेता संजय राउत और राकांपा नेता एकनाथ खडसे के फोन असामाजिक तत्व होने के बहाने टैप किए गए। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान पता चला कि राज्य खुफिया विभाग (एसआईडी) के पत्र में असामाजिक तत्वों के रूप में कुछ अन्य नामों का भी उल्लेख किया गया था, जिसे अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) गृह को फोन टैपिंग के लिए भेजा गया था, इसलिए एसीएस ने अनुमति दी थी।पुलिस ने बताया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता एकनाथ खडसे का फोन 67 दिनों तक टैप किया गया, जबकि शिवसेना नेता संजय राउत का फोन 60 दिनों तक टैप किया गया। मुंबई पुलिस के इस बयान पर शिवसेना नेता संजय राउत ने तत्कालीन एसआईडी कमिश्नर रश्मि शुक्ला के बहाने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए .

लाउडस्पीकर मुद्दे पर सभी राजनीतिक दलों से बात करेंगे महाराष्ट्र के गृहमंत्री

मुंबई। महाराष्ट्र के गृहमंत्री दिलीप वलसे पाटिल ने कहा है कि वह जल्दी ही महाराष्ट्र के सभी राजनीतिक दलों व प्रमुख संगठनों से बात करके लाउडस्पीकर के उपयोग पर कोई निर्णय करेंगे। उन्होंने यह बात महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) व भारतीय जनता पार्टी द्वारा मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की मांग पर कही है। बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए पाटिल ने कहा कि महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक रजनीश सेठ ने मंगलवार को लाउडस्पीकर मुद्दे पर पुलिस के आला अधिकारियों के साथ बैठक करके अपनी रिपोर्ट बुधवार को हमें सौंपी है। इसमें अगले कुछ सप्ताह में पैदा हो सकने वाली सभी परिस्थितियों एवं उन पर उठाए जाने वाले कदमों का उल्लेख किया गया है। पाटिल ने बिना किसी का नाम लिए बिना कहा कि राज्य की कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। सरकार इस पर गंभीरता से नजर रख रही है। उन्होंने सभी का आह्वान किया कि लोग कानून अपने हाथ में लेने और समाज में दरार डालने से बचें। यदि कोई ऐसा करता पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। महाराष्ट्र के गृहमंत्री ने बताया कि ध्वनि प्रदूषण को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने 2005 में एक आदेश पारित किया था। उसके अनुसार, ही राज्य सरकार ने 2015

संपादकीय

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला

अतिक्रमण और अदालत

देश की राजधानी में हिंसा की चपेट में आए इलाके जहांगीरपुरी में अतिक्रमण हटाने की दिल्ली नगर निगम की कार्रवाई को लेकर जो विवाद पैदा हुआ, उसका समाधान जितनी जल्दी हो, उतना ही अच्छा। दिल्ली नगर निगम की इस कार्रवाई पर फौरी रोक लगाने वाले सुप्रीम कोर्ट को इस मामले का निपटारा करते हुए ऐसा कोई फैसला देना चाहिए, जो पूरे देश के लिए नजीर बने। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि देश के दूसरे हिस्सों में भी जब ऐसी कार्रवाई होती है, तब उसे लेकर विवाद पैदा होते हैं और कई बार उनके चलते न केवल यथास्थिति कायम रहती है, बल्कि सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे बढ़ते चले जाते हैं। अतिक्रमण एक राष्ट्रव्यापी समस्या है। दिल्ली समेत कई शहरों में तो सरकारी जमीनों पर कब्जे के चलते बसी अवैध बस्तियों को नियमित करने का भी सिलसिला चल निकला है। इस कारण इन शहरों में एक झुग्गी माफिया पैदा हो गया है, जो भ्रष्ट नेताओं और नौकरशाहों से मिलकर अवैध कब्जे कराता है। आखिर यह सिलसिला कब तक चलेगा? नि:संदेह अवैध कब्जे शहरों की सूरत बिगाड़ने के साथ अन्य कई तरह की समस्याएं पैदा करते हैं, लेकिन अतिक्रमण हटाने से ज्यादा जरूरी है, उसे होने न देना और यदि कहीं हो जाए तो सबसे पहले उसके लिए जिम्मेदार विभागों के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करना। यह ठीक नहीं कि जब कोई घटना घट जाए, तब नगर निकाय अथवा सरकारें अतिक्रमण हटाने की सुध लें। फिलहाल ऐसा ही हो रहा है। इस क्रम में अक्सर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई हड़बड़ी में अथवा तय प्रक्रिया की अनदेखी करके की जाती है। इससे न केवल वैसे सवाल उठते हैं, जैसे खरगोन या फिर दिल्ली में अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाने को लेकर उठे, बल्कि उजाड़े गए लोग अपना घर-बार खोकर अचानक सड़क पर भी आ जाते हैं। नि:संदेह इसमें उनकी भी गलती होती है, उसमें नगर निकाय भी बराबर के भागीदार होते हैं। यह एक तथ्य है कि नगर निकायों की अनदेखी अथवा भ्रष्ट आचरण से अतिक्रमण और अवैध कब्जे होते हैं। सुप्रीम कोर्ट को जहां अवैध कब्जों के खिलाफ सख्ती दिखानी होगी, वहीं मानवीय दृष्टिकोण भी अपनाना होगा, लेकिन ऐसा करते हुए ऐसा कुछ करने से बचना होगा, जिससे अतिक्रमण करने-कराने अथवा अपनी राजनीति चमकाने वालों को बल मिले। यह अपेक्षा इसलिए, क्योंकि दिल्ली में शाहीन बाग धरने एवं कृषि कानून विरोधी प्रदर्शन के समय रास्तों को बाधित करना एक तरह का अवैध कब्जा ही था .

जब स्कूलों में उमड़ने लगे छोटे बच्चे

कोरोना मरीज की बढ़ती संख्या आम लोगों की चिंताएं बढ़ाने लगी हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में तो ह्यपॉजिटिविटी रेटह्व (जांच की कुल संख्या में संक्रमित मरीजों की संख्या का प्रतिशत) दो फीसदी से अधिक हो गई है। इस बार बच्चों में संक्रमण दर अधिक है। इसने अभिभावकों की उलझन स्वाभाविक बढ़ा दी है। उनकी चिंता दोतरफा है। कोरोना संक्रमण-काल में ऑनलाइन शिक्षण में आई मुश्किलों के कारण वे अब नहीं चाहते कि करीब दो साल के बाद पूरी क्षमता के साथ खोले गए शिक्षण संस्थान दोबारा बंद किए जाएं, और फिर, उनको अपने नौनिहालों की फिक्र भी सता रही है। जाहिर है, हमें एक ऐसी रणनीति बनानी होगी, जो न सिर्फ हमारे बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करे, बल्कि माता-पिता व अभिभावकों की चिंताएं भी दूर करे।

यह मांग हो रही है कि बच्चों का भी टीकाकरण तेजी से होना चाहिए। कुछ अति-उत्साही लोग छोटे-छोटे बच्चों को भी टीका लगाने की वकालत कर रहे हैं। लेकिन उन्हें समझना चाहिए कि जब कभी हम कोरोना-रोधी टीके की प्रभाव-क्षमता, यानी एफिकेसी की बात करते हैं, तो वयस्क आबादी ही हमारे सामने होती है। देश-दुनिया में ऐसे अध्ययन सिर्फ वयस्कों पर हुए हैं, बच्चों को लेकर ऐसा कोई शोध हुआ ही नहीं है। यही वजह है कि हमें यह पता नहीं है कि बच्चों के लिए टीकाकरण जरूरी भी है अथवा नहीं? चूंकि देश में 80 फीसदी से अधिक वयस्क आबादी को टीके लगाए जा चुके हैं, इसलिए हम यह मानकर चल रहे हैं कि बच्चों को भी अब टीका लग जाना चाहिए। 12 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों के लिए टीकाकरण चल भी रहा है। मगर बच्चों पर टीके की प्रभाव-क्षमता को लेकर हम अब भी अंधेरे में हैं। ऐसे में, उनको संक्रमण से बचाने के लिए कुछ प्रयास हमें करने होंगे और कुछ खुद शिक्षण संस्थानों को।

अपने तईं तो हमें यही करना है कि एहतियातन अपने बच्चों को सिखाएं कि उनको किस तरह साबुन से हाथ धोना है, किस तरह से शारीरिक दूरी बनाकर कक्षाओं में बैठना है, छींक आने पर कैसे मुंह ढकना है, सैनिटाइजर का प्रयोग कितना करना है आदि। ये तमाम बातें आमतौर पर बच्चों को सिखाई भी जाती हैं। अगर हम यही करते रहें, तब भी हम अपने बच्चों को काफी हद तक संक्रमण से सुरक्षित रख सकते हैं। लेकिन सिर्फ यही उपाय हमारे नौनिहालों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते हैं।

दरअसल, अभी फ्रांस और ब्रिटेन जैसे राष्ट्रों में भी कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। वहां बच्चे भी संक्रमित हो रहे हैं और वयस्क भी। मगर यहां बच्चों के स्कूल पूरी क्षमता के साथ चल रहे हैं। उनका मानना है कि जब शिक्षण संस्थान कोविड-उपयुक्त व्यवहारों का संजीदगी से पालन कर रहे हैं और कोरोना से बचने के लिए जिन सहूलियतों की दरकार है, वे मुहैया करा रहे हैं, तो बच्चों को घरों में रखने का कोई औचित्य नहीं। अलबत्ता, इससे उनके पठन-पाठन का नुकसान ही होता है। मगर अपने देश में कई तरह की दिक्कतें हैं। यह संभव है कि बड़े शहरों के स्कूल कोरोना दिशा-निर्देशों का पालन कर रहे हों, लेकिन छोटे कस्बों अथवा गांवों में, जहां अधिकांश स्कूलों के पास बुनियादी ढांचा तक नहीं है, वहां यह उम्मीद भला कैसे कर सकते हैं कि वे बच्चों से कोविड उपयुक्त व्यवहार कराने को लेकर आग्रही होंगे?

यह मान भी लें कि बड़े बच्चों में चल रहा टीकाकरण उनको कोविड-19 से बचा लेगा, लेकिन 12 साल से कम उम्र के उन बच्चों का क्या, जो काफी छोटे हैं? उनसे यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वे स्कूलों में खुद से कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन करेंगे? मैदान में खेलते वक्त, प्रार्थना के समय या फिर कक्षाओं में वे मास्क पहने रहेंगे, इसकी भी गारंटी नहीं दी जा सकती। ऐसे में, कुछ प्रयास शिक्षण संस्थानों को भी करने होंगे।

उनको यह सुनिश्चित करना होगा कि 1 अप्रैल को जारी आखिरी प्रोटोकॉल का वे ईमानदारी से पालन करेंगे। इन दिशा-निर्देशों में बताया गया है कि संस्थान किस तरह से कोविड उपयुक्त व्यवहारों का पालन सुनिश्चित कर सकते हैं। इसका मतलब है कि शिक्षण संस्थानों में हाथ धोने के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था होनी चाहिए, कक्षाओं से बाहर सैनिटाइजर की उपलब्धता सुनिश्चित होनी चाहिए और मास्क पहनना अनिवार्य होना चाहिए। इनका पालन करना न सिर्फ स्कूल स्टाफ, शिक्षक और बच्चों के लिए जरूरी है, बल्कि स्कूल आने वाले अभिभावक भी इनकी अनदेखी नहीं करें। दिक्कत यही है कि बड़े बच्चों को कुछ हद तक समझाया जा सकता है, पर छोटे बच्चों से कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी शिक्षकों को ही निभानी होगी।

ऐसे समय में, जब भारत ने कोरोना के खिलाफ हर्ड इम्यूनिटी (70 फीसदी से अधिक आबादी का कोरोना के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता बना लेना) हासिल कर ली है, छोटे-छोटे बच्चों के लिए टीकाकरण की वकालत करना गले नहीं उतरता, जब तक कि हमारे पास कोई वैज्ञानिक साक्ष्य न हो।

अगर हम छोटे-छोटे बच्चों को भी टीका लगाएंगे, तो कोविड के खिलाफ उनके शरीर में प्राकृतिक प्रतिरोधक बनने की क्षमता कुंद हो जाएगी।

वैसे भी, बच्चों में कोरोना को लेकर अभिभावकों को बहुत ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि ऐसे कई अध्ययन हुए हैं, जो बताते हैं कि छोटे बच्चे कोरोना से गंभीर रूप से शायद ही संक्रमित होते हैं।

यह अच्छी बात है कि स्कूल जाने वाले प्राथमिक स्कूलों के बच्चों को कम से कम 60 फीसदी तक सामान्य टीके लग चुके होते हैं, इसलिए शिक्षण संस्थान सुरक्षा उपाय अपनाकर बच्चों में बढ़ रहे संक्रमण को रोक सकते हैं

बाहुबली मुख्तार अंसारी की जमानत अर्जी पर हाई कोर्ट ने सरकार से जवाब-तलब किया

प्रयागराजः इलाहाबाद हाई कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट में 25 अक्टूबर 2005 से जेल में बंद बाहुबली मुख्तार अंसारी की जमानत अर्जी पर राज्य सरकार से छह हफ्ते में जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी ने दिया है।याची अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय का कहना है कि उसके खिलाफ मऊ के दक्षिण टोला थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत एफआइआर दर्ज कराई गई है। लंबे समय से जेल में बंद हैं। सरकारी वकील का कहना था कि मुख्तार अंसारी को 13 अप्रैल 2021 को बी वारंट तामील किया गया है। हत्या, डकैती जैसे कई जघन्य अपराधों में लिप्त है। जमानत पर रिहा होने पर अपराध में शामिल होने की संभावना है। इस पर कोर्ट ने जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। एक अन्य मामले में मुख्तार अंसारी की धारा-482 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत दाखिल याचिका की सुनवाई से न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता ने स्वयं को अलग कर लिया। अन्य पीठ नामित करने के लिए मुख्य न्यायाधीश को संदर्भित कर दिया है। याचिका की अगली सुनवाई की तारीख दो मई नियत की गई है।

हाई कोर्ट में फुल कोर्ट कंडोलेंस रिफरेंस में मृतक वकीलों को दी श्रद्धांजलि कोरोना संक्रमण काल में इलाहाबाद हाई कोर्ट के काफी वकीलों की असमय मृत्यु हो गई थी। मृतक वकीलों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मुख्य न्यायाधीश कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की अध्यक्षता में बुधवार को फुल कोर्ट कंडोलेंस रिफरेंस का आयोजन हुआ। इसमें समस्त न्यायमूर्ति व हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के पदाधिकारी, वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल हुए। इस दौरान पूर्व महाधिवक्ता वीसी मिश्र, एसपी गुप्त, वरिष्ठ अधिवक्ता भरत जी अग्रवाल, बीके श्रीवास्तव, आरबी सिंघल आदि अधिवक्ताओं के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के लाइब्रेरी हाल में अध्यक्ष राधाकांत ओझा की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा हुई। इसमें कोरोना से मृतक लगभग दो सौ वकीलों का नाम पढ़कर उनके योगदान को याद किया गया।

जहांगीरपुरी अतिक्रमण विरोधी अभियान को लेकर सपा का ऐलान

नई दिल्लीः जहांगीर पुरी हिंसा मामले में चलाए गए अतिक्रमण विरोधी अभियान को लेकर राजनीति थमने का नाम नहीं ले रही है। कई राजनीतिक दल जहांगीरपुरी के उस इलाके का दौरा कर चुके हैं जहां पर बुल्डोजर चलाकर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई हुई थी। वृंदा करात, असमुददीन औवेसी, कांग्रेस नेता, और आम आदमी पार्टी लगातार मामले में अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। इसी क्रम में सपा नेता भी जहांगीरपुरी अतिक्रमण विरोधी अभियान को लेकर मैदान में कूद गए है। दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में चलाए गए अतिक्रमण विरोधी अभियान के संबंध में समाजवादी पार्टी का 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल कल दिल्ली पहुंचेगाः समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश इंटरनेट मीडिया पर एक पत्र जारी करते हुए सपा ने कहा है कि उनका पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल शुक्रवार को जहांगीरपुरी दिल्ली पहुंचेगा।

सीएम योगी आदित्यनाथ की दो टूक - धार्मिक आयोजन में माहौल खराब होने पर हर स्तर पर तय होगी जवाबदेही

लखनऊः धार्मिक जुलूस तथा धार्मिक स्थल पर लाउडस्पीकर को लेकर कई राज्यों में मचे बवाल के बीच सीएम योगी आदितत्यनाथ ने प्रदेश में आने वाले त्यौहार को देखते हुए अपनी तैयारी मुस्तैद कर ली है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने टीम-09 के साथ गुरुवार को समीक्षा बैठक में सभी की जिम्मेदारी भी तय की है। ईद के साथ ही अक्षय तृतीय को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने जिला तथा पुलिस प्रशासन की तैयारी को परखा। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिया किबिना विधिवत अनुमति के किसी भी स्थान पर कोई शोभायात्रा या धार्मिक जुलूस न निकाली जाए। इसकी अनुमति देने से पहले सभी आयोजक से

शांति-सौहार्द कायम रखने के संबंध में शपथ पत्र लिया जाए। इसमें भी किसी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन नहीं किया जाना चाहिए। अगर कहीं पर भी माहौल खराब हुआ तो हर स्तर पर जवाबदेही तय की जाएगी। धार्मिक स्थल पर लाउडस्पीकर के प्रयोग को लेकर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि पूर्व से अनुमति से लगे लाउडस्पीकर चल सकते हैं, लेकिन आवाज बाहर न आए। इसके साथ ही अब धार्मिक स्थल पर बिना अनुमति के लाउडस्पीकर अब नहीं लग पाएंगे। उत्तर प्रदेश में अब नए स्थानों पर माइक और लाउडस्पीकर लगाने की अनुमति नहीं जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर किसी को अपनी उपासना पद्धति मानने की स्वतंत्रता है। प्रदेश में पहले से जिस धार्मिक स्थल पर लाउडस्पीकर लगा है, वहां पर उसका प्रयोग किया जा सकता है। इसके साथ ही यह भी तय किया जाना चाहिए कि उसकी आवाज धार्मिक स्थल परिसर के बाहर ना आए। लाउडस्पीकर की आवाज से अन्य लोगों को कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। अब कहीं पर भी जिला तथा पुलिस प्रशासन नए स्थलों पर लाउडस्पीकर लगाने की अनुमति ना दे।

कविता

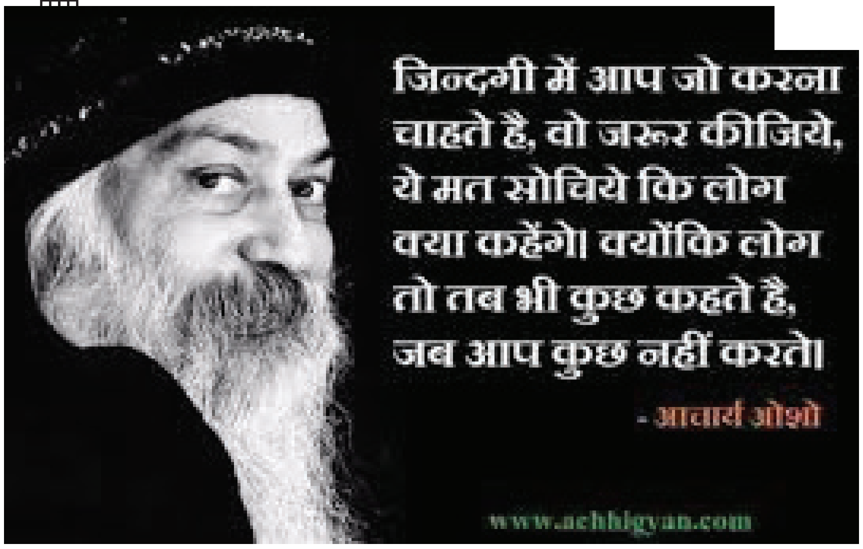

कहै कबीर दीवाना-ओशो

क्योंकि दूसरा अहंकार मांग करता है, समर्पित करो। सिर्फ परमात्मा मांग नहीं करता समर्पण की।
जहां मांग नहीं है, वहां समर्पण आसान है।
प्रेम से थोड़ा सा सुख मिला; अगर तुम पूरा समर्पण कर सको तो अनंत सुख की वर्षा हो जाए। सुख के मेघ कभी घिर आएं--घिरे ही हैं। तुम्हारा हृदय थोड़ा खाली हो अहंकार से, कि वर्षा हो जाए।
परमात्मा की तरफ वही व्यक्ति जाता है, जिसने प्रेम में सुख को पहचाना। और यह भी पहचान कि बाधा थी मेरे कारण, अहंकार के कारण। अब मैं वह तलाश करूंगा उस बिंदु की, जहां मैं अपने अहंकार को छोड़ दूं। व्यक्तियों के साथ कैसे छोड़ा जा सकता है? वे तुम्हारे जैसे ही है। वे उसी तल पर खड़े हैं, जहां तुम खड़े हो। जारी...

वजन बढ़ाने के लिए रोज सुबह खाली पेट करें ये 7 योगासन

वजन बढ़ाने के लिए कौन-से योगासन करने चाहिए? वैसे तो अधिकतर लोग अपने बढ़े हुए वजन से परेशान रहते हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो अपने दुबले-पतले शरीर से परेशान हैं। कई लोगों को लगता है कि वजन बढ़ाना आसान है, लेकिन वजन घटाना सबसे मुश्किल काम होता है। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं, तो बिल्कुल गलत है। क्योंकि वजन घटाने की तरह ही वजन बढ़ाना भी किसी टास्क से कम नहीं होता है। ये आप उन लोगों से पूछ सकते हैं, जो वजन बढ़ाने के लिए कई उपाय अपनाते हैं, लेकिन कामयाब नहीं हो पातें। अकसर वजन बढ़ाने के लिए लोग अपनी डाइट में फैट युक्त खाद्य पदार्थों शामिल करना शुरू कर देते हैं, लेकिन इससे भी कुछ खास फर्क नहीं पड़ता है। दरअसल, पाचन तंत्र के सही से काम न करने की वजह से लोगों का खाना अच्छी तरह से डायजेस्ट नहीं हो पाता है, जिससे भोजन में मौजूद पोषक तत्व शरीर को नहीं मिल पाते हैं। ऐसे में वजन को बढ़ाना बहुत मुश्किल हो जाता है। इस स्थिति में आपको रोज सुबह कुछ खास योगासन जरूर करने

चाहिए। इससे आपका पाचन तंत्र बेहतर होगा और आपका वजन भी बढ़ने लगेगा। योग गुरु रमेश कुमार से जानते हैं, वजन बढ़ाने के लिए कौन-से योगासन कारगर हैं वजन बढ़ाने के लिए आप रोज सुबह खाली पेट भुजंगासन कर सकते हैं। इसमें शरीर का ऊपरी हिस्सा कोबरा के फन की तरह उठा होता है, इसलिए इसे कोबरा पोज भी कहते हैं। अपने पेट, हाथों और पीठ की मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए आप रोजाना इस योगासन को कर सकते हैं। साथ ही यह पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाता है। इससे रीढ़ की हड्डी भी मजबूत बनती है। भुजंगासन पीठ की मसल्स मजबूत बनाता है। इस योगासन को करने के लिए सबसे पहले योगा मैट पर पेट के बल लेट जाएं। अपनी दोनों हथेलियों को कंधों के बराबर में जमीन पर रखें। इस दौरान अपने टखनों को आपस में मिलाकर रखें। लंबी गहरी सांस लें और अपने ऊपरी शरीर का वजन हथेलियों पर डालते हुए कमर तक के हिस्से को ऊपर उठाएं।

कटरीना कैफ की फिल्म मैरी क्रिसमस के सेट से लीक हुई तस्वीर

कटरीना कैफ के विक्की कौशल से शादी के बंधन में बंधने के बाद अब हर कोई अभिनेत्री के बिग स्क्रीन पर लौटने की राह देख रहा हैं। कटरीना कैफ हाल ही में पति विक्की कौशल के साथ छुट्टियां मनाकर मुंबई लौटी हैं और मुंबई लौटते ही वह अपनी आगामी फिल्म ह्यमैरी क्रिसमसह्ण की शूटिंग में व्यस्त हो गई हैं। दरअसल कटरीना कैफ ने विक्की से शादी के बाद श्रीराम राघवन के निर्देशन में बन रही नई

फिल्म ह्यमैरी क्रिसमस की घोषणा की थी। अब फिल्म की शूटिंग सेट से कटरीना की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। कटरीना कैफ की हाल ही में सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें वायरल हो रही हैं। कहा जा रहा है कि यह तस्वीरें कटरीना कैफ की आगामी फिल्म मैरी क्रिसमस के सेट से हैं। इस तस्वीर में कटरीना कैफ के साथ अभिनेत्री राधिका सरथकुमार हैं, जो इन तस्वीरों में महिला पुलिस की वर्दी में नजर आ रही हैं। कटरीना कैफ ने लीक हुई इन तस्वीरों में लाल रंग की एक ड्रेस पहनी है, जिस पर पोल्का डॉट्स बने हुए है। पहली तस्वीर में जहां कटरीना और राधिका हैरान होकर फोन देख रहे हैं, तो वही दूसरी तस्वीर में कटरीना कैफ सामने की तरफ देख रही हैं। अन्य तस्वीर में कटरीना के हाथ में स्क्रिप्ट है और वह चुपचाप से खड़ी हुई हैं। श्रीराम राघवन की फिल्म मैरी क्रिसमस में कटरीना कैफ पहली बार साउथ स्टार विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करती हुई नजर आएंगी। जिसकी जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया के जरिए फैन्स को देते हुए अपनी खुशी शेयर की थी। कटरीना ने विजय और निर्देशक श्रीराम राघवन के साथ तस्वीर शेयर करते हुए.

प्लेआफ की होड़ से बाहर होने की कगार पर मुंबई, CSK के खिलाफ पहली जीत पर नजर

नई दिल्ली :रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस का सामना रवींद्र जडेजा की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स के साथ मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर होगा। एक जीत को तरस रही मुंबई की नजर इस मुकाबले में पहली जीत पर लगी होगी तो वहीं सीएसके इस मैच को जीतकर अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगी। मुंबई की टीम इस सीजन में प्लेआफ की होड़ से बाहर होती नजर आ रही है और इस मैच में मिली हार इस टीम के लिए घातक साबित हो सकती है। मुंबई की टीम ने अब तक खेले छह मैच गंवा दिए हैं और बिना किसी अंक के ये टीम दसवें नंबर पर मौजूद है। वहीं सीएसके ने छह में से एक मैच में जीत दर्ज की है और दो अंक के साथ नौवें स्थान पर मौजूद है।

रितुराज गायकवाड़, राबिन उथप्पा, मोइन अली, अंबाती रायुडू, शिवम दुबे, एमएस धौनी (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा (कप्तान), ड्वेन प्रिटोरियस, ड्वेन ब्रावो, महेश थीक्षाना, मुकेश चौधरी।

मुंबई इंडियंस की संभावित प्लेइंग इलेवन ईशान किशन (विकेटकीपर), रोहित शर्मा (कप्तान), देवाल्ड ब्रेविस, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, कीरोन पोलार्ड, फैबियन एलन, जयदेव उनादकट, मुरुगन अश्विन, जसप्रीत बुमराह, टाइमल मिल्स।

मुंबई की बात करें तो कप्तान रोहित शर्मा के बल्ले से रन नहीं निकलना टीम के लिए घातक साबित हो रहा है तो वहीं ईशान किशन कुछेक पारियों के बाद खुद को साबित नहीं कर पाए हैं। सूर्यकुमार यादव मध्यक्रम में अच्छा कर रहे हैं, लेकिन डेवाल्ड ब्रेविस व तिलक कुमार जैसे बल्लेबाजों को और ज्यादा जिम्मेदारी लेने की जरूरत है।

किरोन पोलार्ड अपने बल्ले से लगाकार निराश कर रहे हैं जो टीम के लिए अच्छा नहीं है। मुंबई के लिए बल्लेबाजी से अधिक गेंदबाजी चिंता का विषय है। जसप्रीत बुमराह को छोड़कर टीम के अन्य गेंदबाजों ने अब तक लचर प्रदर्शन किया है। टाइमल मिल्स, जयदेव उनादकट, बासिल थंपी या मुख्य स्पिनर मुरुगन अश्विन को अच्छा प्रदर्शन करना ही होगा।

चेन्नई की टीम के बल्लेबाज अच्छा कर रहे हैं जिसमें रितुराज गायकवाड़ फार्म में आ गए हैं तो उथप्पा रन बना रहे हैं। शिवम दूबे ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से खूब प्रभावित किया है, लेकिन मोइन अली और अंबाती रायुडू को और रन बनाने की जरूरत है। फिनिशर के तौर पर टीम में कप्तान रवींद्र जडेजा व महेंद्र सिंह धौनी मौजूद हैं। जडेजा को बतौर कप्तान खुद को अब भी साबित करने की जरूरत है। टीम में दीपक चाहर का ना होगा काफी घातक साबित हो रहा है।

मलिंगा जैसे एक्शन वाले 19 साल के इस गेंदबाज को सीएसके टीम में मिली जगह, एडम मिल्ने हुए बाहर

नई दिल्ली: आइपीएल का 15वां सीजन चेन्नई के लिए बेहद खराब रहा है। टीम अब तक 6 मैचों में केवल एक जीत दर्ज कर पाई लेकिन उसकी मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। दरअसल एडम मिल्ने चोट के कारण आइपीएल से बाहर हो गए हैं। वे हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण आइपीएल के बाकी बचे मैच नहीं खेल पाएंगे। चेन्नई ने उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर श्रीलंका के गेंदबाज माथिसा पाथिराना को शामिल कर लिया है।सीएसके ने अपने आधिकारिक बयान में कहा है कि ह्रचेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज एडम मिल्ने आइपीएल 2022 से बाहर हो गए हैं जिन्हें सीएसके की तरफ से मेगा आक्शन में चुना गया था। उन्होंने कोलकाता के खिलाफ पहला मैच खेला था। श्रीलंका के तेज गेंदबाज माथिसा पाथिराना को उनके स्थान पर शामिल कर लिया गया जो बाकी बचे मैचो में सीएसके के लिए उपलब्ध रहेंगे। माथिसा का एक्शन श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा से मिलता है। 19 साल के माथिसा अंडर-19 वर्ल्ड कप 2022 में श्रीलंकाई टीम का हिस्सा थे। वे अपनी अजीबोगरीब गेंदबाजी एक्शन के लिए सुर्खियों में आए थे। उन्होंने वर्ल्ड कप में 4 मैचों में 7 विकेट लेकर अपने प्रदर्शन का लोहा मनवाया था।

मुंबई को पिछले 6 मैचों में मिली हार के बड़े कारण हैं किरोन पोलार्ड, प्लेइंग कमें उनकी जगह पर मांजरेकर ने उठा दिए सवाल

नई दिल्ली: आइपीएल 2022 में मुंबई इंडियंस की हालत बेहद खराब है और ये टीम प्लेआफ की होड़ से बाहर होने की कगार पर है। अब मुंबई का अगला मैच सीएसके टीम के खिलाफ होना है, लेकिन उससे पहले टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने मुंबई के आलराउंडर किरोन पोलार्ड पर सवाल उठा दिए। मांजरेकर ने पोलार्ड को लगातार प्लेइंग इलेवन में जगह दिए जाने पर भी सवाल उठाया। उनके मुताबिक मुंबई को लगातार छह मैच में हार मिली है और इसका एक बड़ा कारण किरोन पोलार्ड भी रहे हैं। आइपीएल 2022 में अब तक किरोन पोलार्ड का प्रदर्शन निराश करने वाला रहा है और उन्होंने पिछले 6 मैचों में 16.40 की औसत से सिर्फ 82 रन बनाए हैं। बल्लेबाजी ही नहीं गेंदबाजी में भी उन्होंने अपनी टीम को निराश किया है और 10 रन प्रति ओवर की इकानामी रेट से सिर्फ एक विकेट लिए हैं। मांजरेकर ने ईएसपीएन क्रिकइंफो से बात करते हुए कहा कि मुझे नहीं पता कि क्या मुंबई इंडियंस ने कभी पोलार्ड के डिस्पेंसेबल होने के बारे में सोचा है। लेकिन मेरा मानना है कि पोलार्ड को चार नहीं तो कम से कम तीन ओवर तो करने ही होंगे क्योंकि टीम को एक गेंदबाज की सख्त जरूरत है। मुझे लगता है कि दबाव में वह इस पक्ष के कई गेंदबाजों से बेहतर है।

दाऊद इब्राहिम से जुड़े मामले में ईडी ने नवाब मलिक के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

मुंबईः राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता नवाब मलिक की अंतरिम याचिका पर सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को सुनवाई करेगा। मनी लांड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए गए मलिक की तत्काल रिहाई की मांग बांबे हाई कोर्ट ने खारिज कर दी थी, जिसे उन्होंने शीर्ष अदालत में चुनौती दी है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस सूर्यकांत की पीठ मलिक की याचिका पर सुनवाई करेगी। मलिक की याचिका खारिज करते हुए बांबे हाई कोर्ट ने 15 मार्च के अपने आदेश में कहा था कि विशेष मनी लांड्रिंग निरोधक कानून (पीएमएलए) अदालत का उन्हें हिरासत में भेजने का आदेश सिर्फ इसलिए अवैध या गलत नहीं हो जाता है कि वह उनके पक्ष में नहीं है। मलिक के पुत्रों के खिलाफ आरोप पत्र दायर करेगी ईडी दाऊद इब्राहिम से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में ईडी मलिक के पुत्रों फराज मलिक और आमिर मलिक के खिलाफ आरोप पत्र दायर करेगी। एजेंसी ने पूछताछ के लिए दोनों को कई बार बुलाया, लेकिन वे उसके सामने पेश नहीं हुए। महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे से पांच करोड़ रुपये रंगदारी मांगने वाली महिला गिरफ्तार। गौरतलब है कि गत मार्च में महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे ने विधानसभा में केंद्र सरकार और भाजपा पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि अगर नवाब मलिक का दाऊद इब्राहिम से सालों पुराना नाता था तो इतने साल से केंद्रीय एजेंसियां क्या कर रही थीं? मामला कोर्ट में है। मुझे लगता है कि एलओपी फडनवीस को ईडी द्वारा भर्ती किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने ईडी को सभी दस्तावेज दिए थे, जैसा कि उन्होंने कहीं कहा था। उद्धव ने कहा कि आप नवाब मलिक का इस्तीफा मांगें। पहले बताओ, तुमने महबूबा मुफ्ती का समर्थन क्यों किया, जिन्हें अफजल गुरु और बुरहान वानी से सहानुभूति थी। दाऊद इब्राइहिम कहां है?

URGENTLY REQUIRED FEMALE STAFF
VACANCY VACANCY
ICON OPTICAL GALLERY
Urgently Required Female Staff Accountant Cum Sales Girl For Counter Sell.
Note : Must Have Computer Operating Knowledge
Contact Us : 9819292152
Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053
murtaza12152@yahoo.com

TASNEEM COLLECTION
Online Shopping Hub
Only of Ladies Bags, Kurtis, Accessories
Kitchen & Household items
Baby products
Plastic items
And much more......all under one roof
Best business apportunity for housewives to become reseller & earn at zero investment
Farida Rampurawala :
8898065152
RH 1, C 26 row house number, Swamy Ayyappam temple road, Sector. 8, New Mumbai, Vashi-400 703

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई – 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अंधेरी (प),मुंबई –400053 प्रकाशित । संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
T.C. NO. MAHHIN10172 ईमेल: newsicon2021@gmail.com newsicon.net